By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political Science

Lecture-1

Topic – Laski's view on Rights

Class – B.A. Degree - I (SUB.), unit - 6

Subject – Political Science

Date – 28 Nov.,2020

By Rahul Kumar Jha

अधिकार (Rights) :-

लॉस्की के अधिकार-संबंधी सिद्धांत :-

लास्की ने अधिकारों की विवेचना काफी गंभीरता से की है। वह अधिकारों को अनिवार्य मानता है। प्राकृतिक अधिकारों को मान्य घोषित करते हुए वह कहता है कि राज्य अधिकारों का सृजन नहीं कर सकता, वरन उन्हें मान्यता प्रदान करता है। वह कहता है, "अधिकार सामाजिक जीवन की वे परिस्थितियाँ हैं जिनके बिना सामान्यतः कोई भी व्यक्ति अपना सर्वोच्च विकास नहीं कर सकता।" लॉस्की इस बात को स्पष्ट करता है कि अधिकार का संबंध मात्र इच्छा-संतुष्टि से नहीं लगाया जाना चाहिए। प्रो० लास्की

ने इन होने निम्नलिखित अधिकारों को अदेय माना है जो व्यक्ति के अस्तित्व के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है -

1. काम पाने का अधिकार, क्योंकि इससे व्यक्ति की क्षमता का उपयोग होता है और उसकी कार्य-क्षमता बढ़ती है। लेकिन वह कहता है कि मनुष्य को अपनी क्षमता का प्रयोग उसी उत्पादन-कार्य में करना चाहिए, जिसमें समस्त समाज का हित-साधन निहित हो।

2. उचित पारिश्रमिक पाने का अधिकार - लास्की सभी व्यक्तियों के लिए उचित मजदूरी का पक्ष लेता है।

3. जीवन का अधिकार - व्यक्ति को जीवन का अधिकार है, लेकिन लास्की यह भी कहता है कि इस अधिकार का नकारात्मक प्रयोग नहीं होना चाहिए।

4. उचित अवकाश का अधिकार।

5. शिक्षा का अधिकार।

6. राजनीतिक अधिकार।

(7) विचार- अभिव्यक्ति का अधिकार।
(8) समुदाय बनाने और सम्मेलन करने का अधिकार।
(9) संपत्ति का अधिकार
(10) न्यायिक सुरक्षा का अधिकार।

मार्क्सवाद के प्रभाव में आकर लॉस्की अपने विचार में भी परिवर्तन की बात सोचने लगा। चूंकि मार्क्स आर्थिक न्याय की स्थापना करना चाहता था, इसलिए लॉस्की भी ऐसा सोचने लगा और पूंजीवादी व्यवस्था की जड़ खोदने पर तुल गया। वह मार्क्स की भांति पूंजीवाद और राज्य को संदेह की दृष्टि से देखने लगा। वह सत्ता और नियंत्रण के बीच संतुलन स्थापित करना चाहता है वह व्यक्ति में पहल करने की शक्ति को ही सकारात्मक स्वतंत्रता की संज्ञा देता है निष्कर्षतः लॉस्की ने अधिकार के संबंध में यहां तक कह डाला है कि 'यदि सरकार की आज्ञाएँ उचित और न्यायसंगत न हों तो नागरिकों को उसके विरुद्ध विद्रोह करने का कर्तव्य हो जाता है।